(v) कर्मचारियों को दक्षता और शिष्टतापूर्ण सेवा प्रदान करने की शिक्षा देना।

भोजन-व्यवस्था में सुधार के लिए जो कदम उठाए जा रहे हैं, उन्हें देखते हुए इस समय सभी रेलों के शुल्कदर में सामान्यतः कोई बढ़ती करने का विचार नहीं है।

राजभाषा (संशोधन) अधिनियम, 1967 को कार्यान्वित करने के लिए क्षेत्रीय रेलवे द्वारा अतिरिक्त राजपत्रित तथा अराजपत्रित कर्मचारियों की मांग

5018. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** क्या **रेलवे** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि राजभाषा (संशोधन) अधिनियम, 1967 को कार्यान्वित करने के लिए क्षेत्रीय रेलवे ने अतिरिक्त राजपत्रित तथा अराजपत्रित कर्मचारियों की मांग की है; और

(ख) यदि हां, तो अधिनियम को शीघ्र कार्यान्वित करने के लिए इन अतिरिक्त राजपत्रित तथा अराजपत्रित पदों के निर्माण के लिए कब तक मंजूरी दिए जाने की सम्भावना है?

विधि तथा समाज कल्याण और रेलवे मंत्री (श्री गोविन्द मेनन) : (क) और (ख). कुछ समय पूर्व, रेल प्रशासनों से यह कहा गया था कि वे अनुवाद सम्बन्धी काम की वर्तमान व्यवस्था की समीक्षा करें और यदि उन्हें अतिरिक्त पदों की आवश्यकता हो तो, उनके लिए अपने प्रस्ताव भेजें। कुछ क्षेत्रीय रेलों के प्रस्ताव अभी प्राप्त नहीं हुए हैं। जैसे ही सभी रेलों से प्रस्ताव प्राप्त हो जाएंगे, हिन्दी के काम के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की व्यवस्था करने के प्रश्न पर विचार किया जाएगा।

विदेशों में नौकरी ढूंढने वाले इस्पात कारखानों के इंजीनियर

5019. **श्री महाराज सिंह भारती : क्या इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकारी क्षेत्र के विभिन्न इस्पात कारखानों के कारखानेवार कितने इंजीनियरों ने विदेशों में नौकरी के लिए आवेदन पत्र भेजे हैं;

(ख) क्या यह सच है कि विदेशों में नौकरी के लिए अधिकतम आवेदन पत्र अर्थात् लगभग 200 आवेदन पत्र दुर्गापुर इस्पात कारखाने के कर्मचारियों द्वारा भेजे गए हैं; और

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की जा रही है?

इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कृष्ण चन्द्र पन्त) : (क) से (ग). जानकारी प्राप्त की जा रही है और एक विवरण सभा पटल पर रख दिया जाएगा।

इस्पात कारखानों के "रोलिंग मिलों" की क्षमता

5020. **श्री महाराज सिंह भारती : क्या इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकारी क्षेत्र के इस्पात कारखानों के "रोलिंग मिल" की दक्षता बहुत कम है और जो क्षमता वहां उपलब्ध है उसे पूर्ण रूप से उपयोग में नहीं लाया जा रहा है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस बात के बावजूद भी कि टाटा आयरन एण्ड स्टील की इस्पात उत्पादन क्षमता केवल 20 लाख मीटरी टन है और इसके पास रोलिंग मिल की 30 लाख मीटरी टन की क्षमता है; तथा

इसको कच्चे लोहे की सप्लाई सरकारी कारखानों द्वारा की जाती है; और

(ग) यदि हां, तो सरकारी क्षेत्र के इस्पात कारखानों को हानि से बचाने के लिए क्या उपाय अपनाए जा रहे हैं ?

इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कृष्ण चन्द्र पन्त): (क) हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड के बेलन मिलों की क्षमता उनकी इस्पात पिघलाने की क्षमता के अनुसार है। चूंकि इस्पात उत्पादन अभी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंचा है अतः साधारणतः बेलन क्षमताओं का पूरा उपयोग नहीं हुआ है।

1968-69 में विक्रेय इस्पात की स्थिति इस प्रकार रही :—

(हजार टन)

कारखाना	विक्रेय इस्पात की उत्पादन क्षमता	विक्रेय इस्पात का वास्तविक उत्पादन	3:2 का प्र०श०
1	2	3	4
भिलाई	1965	1344	68.4
दुर्गापुर	1239	500	40.36
राउरकेला	1225	773	63.1

(ख) जमशेदपुर स्थित टाटा आइरन एण्ड स्टील कम्पनी की वार्षिक क्षमता 20 लाख पिण्ड टन है जो 15 लाख टन विक्रेय इस्पात के रूप में बेल्लित किया जा सकता है। कुछ तकनीकी और परिचालन के कारणों से टिस्को के पिण्ड उत्पादन में कमी हुई है, अतः वे दुर्गापुर इस्पात कारखाने से इस वर्ष लगभग 100,000 टन इस्पात पिण्ड खरीद रहे हैं किन्तु बेलन मिलों के परिचालन में कुछ कठिनाइयों के कारण अभी इनको बेल्लित नहीं कर सकते हैं।

(ग) वर्तमान परिस्थितियों में दुर्गापुर इस्पात कारखाने से टिस्को को इस्पात पिण्ड सप्लाई किए जाने से दुर्गापुर के स्टील मेल्टिंग शाप की क्षमता का बेहतर उपयोग होगा।

DOUBLING OF TRACK FROM TAMBARAM TO VILLUPURAM (SOUTHERN RAILWAY)

5021. SHRI S. K. SAMBANDHAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether any proposal has been finalised for doubling the track between Tambaram and Villupuram; and

(b) if so, when it will be implemented and, if not, when it will be finalised ?

THE MINISTER OF LAW AND SOCIAL WELFARE AND RAILWAYS (SHRI GOVINDA MENON): (a) and (b). There is no proposal at present to double the section Tambaram-Villupuram, as the existing capacity of the section is considered adequate to meet the demands of the traffic offered.

DOUBLING OF RAILWAY LINE BETWEEN ERNAKULAM AND ALWAYE

5022. SHRI K. ANIRUDHAN:
SHRI MANGALATHUMADAM :

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the work of doubling the Ernakulam-Alwaye Railway line has been taken up in hand as included in the Annual Plan for 1969-70;

(b) the stage at which the work stands; and

(c) when it is likely to be completed ?

THE MINISTER OF LAW AND SOCIAL WELFARE AND RAILWAYS (SHRI GOVINDA MENON): (a) Yes.

(b) Land acquisition is in progress and tenders for earthwork and bridges have been invited.

(c) No target date has yet been fixed. The work may take about 2½ years for completion.